

बिहार सरकार
अनु० जाति एवं अनु० जनजाति कल्याण विभाग

आदेश

श्री सुधीर कुमार वर्मा, तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, काशीचक (नवादा) सम्प्रति प्रभारी अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी, दाउदनगर, औरंगाबाद के विरुद्ध ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-275833 दिनांक-22.06.2016 के माध्यम से जिला पदाधिकारी, नवादा के पत्रांक-536 दिनांक-12.06.13 द्वारा आरोप पत्र प्रपत्र 'क' प्राप्त हुआ। रोकड़ पुस्त के अंतः शेष राशि ₹ 2,96,298.52/- (दो लाख छियानवें हजार दो सौ अनठानबे रूपयें बावन पैसा) का प्रभार अपने प्रतिस्थानी को नहीं सौंपने, रोकड़पुस्त के संधारण का पर्यवेक्षण एवं देखरेख सही तरीके से नहीं करने, सरकारी राशि के गबन/दुर्बिनियोग एवं अनियमितता बरतने के आरोप में, बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 17 के अधीन जाँच हेतु विभागीय कार्यवाही संचालित करने का निर्णय लिया गया है। श्री वर्मा के विरुद्ध जाँच हेतु आरोप संलग्न आरोप-पत्र में अंकित हैं तथा जिस अभिलेख के आधार पर आरोप निर्धारित किए गए हैं, उसकी विवरणी भी अनुलग्नक में विनिर्दिष्ट है।

2. इस विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु उप निदेशक कल्याण, मगध प्रमंडल, गया को संचालन पदाधिकारी एवं जिला कल्याण पदाधिकारी, नवादा को उपस्थापन पदाधिकारी घोषित किया जाता है।

3. श्री वर्मा से एतद् द्वारा अपेक्षित है कि वे अपना लिखित बचाव प्रतिवेदन संचालन पदाधिकारी को पत्र प्राप्ति के अधिकतम 10 कार्य दिवस के अन्दर निश्चित रूप से समर्पित कर दें तथा जाँच में यह भी बतायें कि क्या वे स्वयं अपनी ओर से मामला प्रस्तुत करना चाहते हैं या किसी अन्य सरकारी सेवक के माध्यम से।

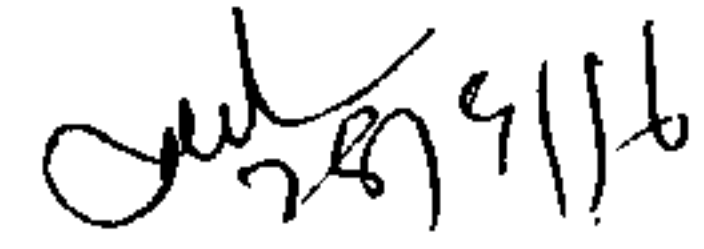
4. श्री वर्मा को सूचित किया जाता है कि विभागीय जाँच उन्हीं आरोपों या अभिकथनों के संबंध में की जाएगी जिन्हें उन्होंने स्वीकार नहीं किया है। उन्हें अभियोगों के विवरण में दिए गए हर अभिकथन और आरोपों को विशिष्ट रूप से या तो स्वीकार करना है या अस्वीकार। जिन-जिन अभिकथनों को वे विशिष्ट रूप से अस्वीकार नहीं करेंगे, वे स्वीकृत समझे जायेंगे।

5. श्री वर्मा को यह सूचित जाता है कि यदि उनका बचाव प्रतिवेदन उपर कंडिका-3 में उल्लिखित समय-सीमा या उसके पूर्व प्राप्त नहीं होगा तो जाँच एकपक्षीय निष्पादित कर ली जाएगी।

6. श्री वर्मा का ध्यान बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली की ओर आकृष्ट किया जाता है जिसके अधीन यदि कोई सरकारी सेवक सरकार के अधीन अपने नियुक्ति एवं संबंधित विषयों में अपने स्वार्थों को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक या अन्य बाहरी प्रभावशाली व्यक्तियों के माध्यम से अपने किसी उच्चस्थ पदाधिकारी पर न तो दबाव डालेंगे और न डालने की कोशिश करेंगे। यदि कार्यवाही में विचारणीय किसी बात के संबंध में उनकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पैरवी की जाती है और वह पैरवी उनकी प्रेरणा से की गई तो नियमावली के नियमों के अतिक्रमण के लिए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

7. प्रस्ताव में विभागीय सचिव का अनुमोदन प्राप्त है।

8. इस आदेश की प्राप्ति की सूचना दी जाय।



सरकार के संयुक्त सचिव।

ज्ञापांक-3जी/(आरोप)-अराज0-20-06/2016- 2561

पटना, दिनांक- 28.9.16

प्रतिलिपि-आरोप-पत्र एवं साक्ष्य (छाया प्रति) के साथ निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

1- उप निदेशक कल्याण-सह-संचालन पदाधिकारी, मगध प्रमंडल, गया।

2- जिला कल्याण पदाधिकारी-सह-उपस्थापन पदाधिकारी, नवादा।

3- उप सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार, पटना।

4- जिला पदाधिकारी, नवादा।

5- जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद।

6- अवर सचिव (स्था0) अनु0 जाति एवं अनु0 जनजाति कल्याण विभाग, बिहार, पटना।

7- श्री सुधीर कुमार वर्मा, तत्कालीन प्र0वि0पदा0, सम्प्रति प्रभारी, अनुमण्डल कल्याण पदाधिकारी, दाउदनगर, औरंगाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।



सरकार के संयुक्त सचिव।

परिशिष्ट-क

(नियम-17 (3) तथा विनियम 3 द्रष्टव्य)

प्रपत्र-क

1. सरकारी सेवक का नाम- श्री सुधीर कुमार वर्मा
2. पदनाम -- तत्कालीन प्र० विकास पदा० काशीचक (19.09.2012 से 6.11.2012)
3. पदस्थापन स्थान -- प्रभारी अनुमण्डल कल्याण पदाधिकारी, दाउदनगर, औरंगाबाद।
4. समूह -- बी (B)
5. वेतन बैंड/ग्रेड पे --
6. जन्म तिथि -- 08.12.1959
8. सेवानिवृत्ति की तिथि -- 31.12.2019
9. स्थायी पत्ता -- मुहल्ला-कंपनी सराय, रौजा रोड, सासाराम, पो०-सासाराम, जिला-रोहतास

क्र०	आरोप	आरोप का सारांश	साक्ष्य तालिका
1	2	3	4
1	रोकड़पुरत के संधारण एवं सरकारी राशि के गवन/दुर्विनियोग एवं अनियमितता बरतना।	<p>आपके द्वारा दिनांक-06.11.2012 को काशीचक प्रखंड के रोकड़पुरत का प्रभार अपने प्रतिस्थानी को सौपा गया।</p> <p>आपके द्वारा दिनांक-18.10.2012 को रोकड़पुरत के अन्तशेष की राशि 6116656.51/- (एकसठ लाख सोलह हजार छः सौ छप्पन रू० एकावन पैसे) रू० अंकित किया गया है एवं 19.10.2012 से 05.11.2012 तक कोई लेन-देन नहीं करने का प्रमाण-पत्र रोकड़पुरत में अंकित किया गया है। परन्तु, आपके द्वारा दिनांक-06.11.2012 को अपने प्रतिस्थानी को मात्र 5820357.99/- (अन्दावन लाख बीस हजार तीन सौ सन्तावन रू० निन्यानवे पैसे) रू० का प्रभार सौपा गया है। इस प्रकार आपके द्वारा 296298.52/- (दो लाख छियान्चे हजार दो सौ अन्तानवे रू० बावन पैसे) रू० का प्रभार अपने प्रतिस्थानी को नहीं सौपा गया है।</p> <p>रोकड़पुरत के संधारण का पर्यवेक्षण एवं देखरेख सही तरीके से नहीं करने के कारण राशि का गवन/अनियमितता, के महेंगजर उक्त 296298.52/- (दो लाख छियान्चे हजार दो सौ अन्तानवे रू० बावन पैसे) की राशि आपसे वसुली करने का मामला बनता है। साथ ही आपका यह कृत्य वित्तीय नियमों की अवहेलना, कार्यालय में नियंत्रण का अभाव तथा स्पष्टीकरण का जवाब ससमय नहीं देने के कारण स्वेच्छाचारिता एवं उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना का द्योतक है।</p>	<ol style="list-style-type: none"> 1. उप विकास आयुक्ता, नवादा के पत्रांक- 1456/वि० दिनांक -26.12.2012 (पृष्ठ-01) 2. काशीचक प्रखंड के सामान्य रोकड़पुरत दिनांक -18.10.2012 की छाया प्रति। (पृष्ठ-01) 3. काशीचक प्रखंड के रोकड़पुरत दिनांक-06.11.2012 की छाया प्रति। (पृष्ठ-02) 4. जिला विकास शाखा, नवादा के ज्ञापक- 77/वि० दिनांक-06.02.2013 की छायाप्रति। (पृष्ठ-01)

Ally
23.9.11
सचिव।

अनु० जाति एवं अनु० जनजाति
कल्याण विभाग, बिहार, पटना।

समाहरणालय, नवादा।
(जिला लेखा शाखा)

जि०ले०

(117)
196

पत्रांक 912
जिला लेखा पदाधिकारी,
नवादा।

कृषि विकास आयुक्त,
नवादा।

नवादा दिनांक 07-11-2012

विषय - काशीचक प्रखण्ड के रोकड़ पुस्त एवं लेखा पंजी की जाँच के संबन्ध में।

पसंग - भवदीय पत्रांक 1182 / वि० दिनांक 19.10.2012

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में सूचित करना है कि भवदीय निदेश के अन्तर्गत काशीचक प्रखण्ड के सामान्य रोकड़ पुस्त, सहायक रोकड़पुस्त एवं लेखा पंजी, बैंक पंजी के आय-व्यय की प्रविष्टि की जाँच 01.04.2011 से की गयी। जाँच के क्रम में विन्दुवार तथ्य निम्न प्रकार है-

1. काशीचक प्रखण्ड में संधारित बैंक पंजी के पृ०सं०-189 पर सेंट्रल कॉर्पोरेटिव बैंक के खाता संख्या 04 की जाँच के क्रम में दिनांक 06.01.2012 को अंतशेष के रूप में 1979452=16 (उन्नीस लाख उन्नीस हजार चार सौ बावन रुपये सोलह पैसे) की प्रविष्टि पाई गयी। दिनांक 21.01.2012 को उस खाते से 1952160=00 (उन्नीस लाख बावन हजार एक सौ साठ रुपये) व्यय की गयी है। इस प्रकार उक्त अंतशेष की राशि से व्यय की गई राशि को घटाने पर दिनांक 08.01.2012 को अंतशेष 27292=16 (सत्ताइस हजार दो सौ बिरानवे रुपये सोलह पैसे) होता है, परन्तु तात्कालिन नाजिर के द्वारा बैंक पंजी के पृ०सं०-190 पर अंतशेष की राशि में Overwriting करते हुए 487292=16 (चार लाख सत्तासी हजार दो सौ बिरानवे रुपये सोलह पैसे) अंतशेष की प्रविष्टि बैंक पंजी में की गयी है।

दिनांक 04.02.2012 को कन्या विवाह मद के मो० 5000=00 (पाँच हजार) रु० की दर 92 लाभुकों को 460000=00 (चार लाख साठ हजार) रु० की राशि का विभिन्न चेक संख्या द्वारा चेक निर्गत किया गया है। दिनांक 07.08.2012 को चेक संख्या 74282 दिनांक 16.06.12 द्वारा 50700=00 (पचास हजार सात सौ) रु० की आय की प्रविष्टि पायी गयी है। उसी तिथि को चेक संख्या 14909 दिनांक 07.08.12 द्वारा 150000=00 (एक लाख पचास हजार) रु० का चेक निर्गत करने के पश्चात् अंतशेष की राशि 27992=00 (सत्ताइस हजार नौ सौ बिरानवे) रु० बैंक पंजी में दर्शाया गया है। जबकि मेरे द्वारा बैंक पंजी के जाँच के क्रम में आय-व्यय की राशि का समायोजन करने के पश्चात् दिनांक 07.08.12 को अंतशेष की राशि मो० 532007=84 (पाँच लाख त्रिसतीस हजार सात सौ बिरानवे पैसे) होता है। पासबुक में उक्त खाते में 130846=00 (एक लाख तीस हजार आठ सौ छियालीस) रु० की राशि अंतशेष के रूप में दर्ज है। इस प्रकार प्रथम दृष्टया लेखा संधारण में तात्कालिन नाजिर के द्वारा बैंक पंजी के अंतशेष राशि में हेरा फेरी करते हुए अंतशेष की राशि को बढ़ा दी गयी है। जिसके कारण अंतशेष की राशि (-) में आ गयी। (बैंक पंजी की छाया प्रति पृ०सं० 1 से 9 तक संलग्न)

2. BARGF के सहायक रोकड़ पंजी के पृष्ठ संख्या 28 पर दिनांक 23.03.2012 को भारतीय स्टेट बैंक कृषि विकास शाखा, नवादा का अवशेष राशि 99656=00 (नौनाव्वे हजार छः सौ रूपय) रु० पंजाब नेशनल बैंक, शाहपुर के खाता संख्या 67985 के चेक संख्या 260450 दिनांक 04.02.2012 के द्वारा स्थान्तरित किया गया, जो रोकड़ पंजी के पृष्ठ संख्या 28 पर दिनांक 23.03.2012 को Receipt side में प्रविष्टि की गई है। जबकि उक्त राशि का एक खाते से दूसरे खाते में Debit & Credit होना चाहिए था, परन्तु सहायक रोकड़ पंजी में इस राशि को दोबारा प्रविष्टि करने से आय की राशि में बढ़ोतरी हो गयी है। जो गलत है। (BARGF रोकड़ पंजी के छाया प्रति पृ०सं०-10 पर संलग्न)

3. बिल बुक 11-12 एवं 12-13 से प्राप्त आय का मिलान सहायक रोकड़ पंजी एवं बैंक पंजी की गयी है, जिसमें कोई त्रुटि नहीं पायी गयी है एवं नाजिर रसीद से प्राप्त आय का मिलान कर लिया गया है। जिसमें कोई त्रुटि नहीं पायी गयी है।

(43)

95

- 4. Oriental Bank of Commerce शाखा, वारसलीगंज खाता संख्या 15232011000355 से दिनांक 26.07.2012 को चेक संख्या 768062.63 एवं 64 से क्रमशः 100000=00 (एक लाख), 200000=00 (दो लाख) एवं 200000=00 (दो लाख) रू० इस प्रकार कुल 500000=00 (पाँच लाख) रू० का चेक निर्गत किया गया है, परन्तु सहायक रोकड़ पंजी के पृ०सं०-182 में दिनांक 27.06.12 से 18.09.12 तक आय-व्यय शून्य दिखाया गया है। परन्तु उक्त बैंक के द्वारा दिनांक 03.08.2012 एवं 31.08.2012 को उक्त राशि का भुगतान बैंक द्वारा कर दिया गया है। इस कारण पासबुक में राशि 48405=00 (अड़तालीस हजार चार सौ पाँच) रू० अवशेष के रूप में पायी गयी है परन्तु बैंक पंजी में 533320=00 (पाँच लाख तेतीस हजार तीन सौ बीस) रू० अवशेष राशि दिखाया गया है जबकि मेरे द्वारा उक्त राशि का समायोजन करने के पश्चात् बैंक पंजी में वास्तविक राशि 33320=00 (तेतीस हजार तीन सौ बीस) रू० अवशेष के रूप में होनी चाहिए थी। जो लेखा संघारण के त्रुटियों को दर्शाता है। (चेक बुक एवं Oriental Bank का Bank Scroll के छाया प्रति पृ०सं० 11 से 13 पर संलग्न)
- 5. दिनांक 18.09.12 को स्टाफ अग्रिम के रूप में नाजिर द्वारा सामान्य रोकड़ पंजी में 1206156=00 (बारह लाख छः हजार एक सौ छप्पन) रू० की प्रविष्टि की गयी है, परन्तु अग्रिम पंजी के जॉच के क्रम में पृ०सं०- 30 पर 1306156=00 (तेरह लाख छः हजार एक सौ छप्पन) रू० की प्रविष्टि पायी गयी है। जिसके कारण अग्रिम मद में 100000=00 (एक लाख) रू० की राशि कम हो गयी। (अग्रिम पंजी की छाया प्रति पृ०सं० 14 पर संलग्न)
- 6. PNB शाहपुर के खाता संख्या 67994 में दिनांक 06.09.12 को अवशेष राशि 176983=00 (एक लाख छियतर हजार नौ सौ तेरसी) रू० है जबकि बैंक पंजी के पृ०सं० 102 पर दिनांक 06.09.2012 को चेक संख्या 685045 के द्वारा 180000=00 (एक लाख अस्सी हजार) रू० का चेक निर्गत करने के उपरान्त अवशेष 20444=00 (बीस हजार चार सौ चौआलीस) रू० दर्शाया गया है। उक्त राशि की निकासी बैंक पासबुक में नहीं किया गया है। मेरे द्वारा बैंक पंजी की जॉच के क्रम में 180000=00 (एक लाख अस्सी हजार)रू० की राशि को पासबुक के शेष राशि से घटाने पर शेष -3017=00 (माइनस तीन हजार सतरह) हो जाता है।
- 7. दिनांक 18.09.12 को सामान्य रोकड़ वही के पृष्ठ संख्या- 173 पर विभिन्न बैंकों के खाता में अवशेष राशि का योग 2537878=61 (पाँचीस लाख सैतीस हजार आठ सौ अठतरह रूपये एकसठ पैसे) रू० अंकित किया गया है। बैंक खाता अग्रिम, अभिश्रव के रूप में कुल राशि 6382036= 16 (तीरसठ लाख बेरासी हजार छतीस रूपये सोलह पैसे) नाजिर के द्वारा दर्शाया गया है। मेरे द्वारा सभी बैंक खाता, अग्रिम एवं अभिश्रम पंजी में अंकित राशि की जॉच करने के पश्चात् बैंक खाता, अग्रिम एवं अभिश्रव मद में कुल राशि 5832036=20 (अन्दावन लाख बत्तीस हजार छतीस रूपये बीस पैसे) होता है एवं आय के रूप में दो बार दर्शाये गयी राशि 99656=00 रू० को योग करने पर 5931692=20 (उनसठ लाख एकतीस हजार छः सौ बानवे रूपये बीस पैसे) होता है। सामान्य रोकड़ वही के अवशेष राशि 6083828=51 (साठ लाख तेरसी हजार आठ सौ अठाइस रूपये एकावन पैसे) में उक्त राशि को घटाने पर एकहरी ताला में 152136=31 (एक लाख बावन हजार एक सौ छतीस रूपये एकतीस पैसे) शेष होना चाहिए। जबकि नाजिर के द्वारा सामान्य रोकड़ पंजी में 298207=65 (दो लाख अनठानवे हजार दो सौ सात रूपये पैंसठ पैसे) अधिक राशि के रूप में दिखाया गया है, जो सही नहीं है। (दिनांक 18.09.12 को सामान्य रोकड़ पंजी एवं बैंक पंजी के जॉच के आधार पर बैंक खाते, अभिश्रव एवं अग्रिम में अवशेष राशि की विवरणी प्रति पृ०सं० 15 एवं 16 पर संलग्न)

अतएव उपर्युक्त परिपेक्ष्य में काशीचक प्रखण्ड में राधारित रोकड़ वही के जॉच के पश्चात् प्रथम दृष्टया में 152136=31 (एक लाख बावन हजार एक सौ छतीस रूपये एकतीस पैसे) की वित्तीय अनियमितता परिलक्षित होती है।
 जॉच प्रतिवेदन आवश्यक कार्रवाई हेतु भवदीय की सेवा में समर्पित।
 अनु०यथोपरि।

विश्वासभारती
 2/10/12
 जिला लेखा पदाधिकारी
 नवादा।

194

दिनांक 18.09.2012 को सामान्य रोकड़ पंजी में दिए गए प्रभार में अंकित राशि का बैंक पंजी, बैंक खाते, अग्रिम एवं अभिश्रव में से मिलान के पश्चात् अवशेष राशि का विवरणी।

बैंक का नाम	खाता संख्या	राशि
सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक काशीचक	04	-532007=84
मध्य बिहार ग्रामीण बैंक काशीचक	3256	63661=36
भारतीय स्टेट बैंक वारिसलीगंज	53341	5280=85
मध्य बिहार ग्रामीण बैंक बिरनावा	845	81179=00
पंजाब नेशनल बैंक शाहपुर	26128	06=00
सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक, वारिसलीगंज	61	11879=00
मध्य बिहार ग्रामीण बैंक वारिसलीगंज	5554	53873=00
मध्य बिहार ग्रामीण बैंक काशीचक	5262	1272195=24
मध्य बिहार ग्रामीण बैंक काशीचक	5375	59178=00
पंजाब नेशनल बैंक शाहपुर	67994	20444=00
पंजाब नेशनल बैंक शाहपुर	68009	226364=00
पंजाब नेशनल बैंक शाहपुर	67985	6503=00
ओ0 बी0 सी0 वारिसलीगंज	355	533320=00
पंजाब नेशनल बैंक वारिसलीगंज	31067	86003=00
	योग	1887878=61
अभिश्रव		2474313=59
स्टाफ अग्रिम		1306156=00
विधान सभा चुनाव फरवरी 06		1700=00
अग्रिम विधान सभा चुनाव 06		6300=00
अग्रिम पंचायत उप चुनाव 06		700=00
अग्रिम विधान सभा चुनाव 10		62640=00
अग्रिम विधान सभा चुनाव पुलिस बल		53948=00
अग्रिम पंचायत उप चुनाव वाहन		38400=00
	योग	3944157=59
आय के रूप में दो बार दर्शाई गई राशि	कुल योग	5832036=20
		+99656=00
सामान्य रोकड़ पंजी में दिनांक 18.09.12 को अवशेष राशि	योग	5931692=00
एकहरी ताला में शेष राशि		452136=31
	कुल योग	6083828=51

[Handwritten signature]

गौरी प्रसाद

बिहार सरकार
समाहरणालय, नवादा।
(जिला विकास शाखा)

5

130

पत्रांक 1456 / वि०
जिला विकास शाखा, नवादा
26 DEC 2012
रामजी सिंह,
उप विकास आयुक्त,
नवादा

जिला विकास शाखा, नवादा
26 DEC 2012

श्री 10
श्री 10/12
श्री 10/12

जिला पदाधिकारी,
नवादा।

नवादा, दिनांक 26-12-12

विषय : प्रखंड विकास पदाधिकारी, काशीचक के प्रभार के संबंध में।
प्रसंग : जिला गोपनीय शाखा, नवादा क ज्ञापांक 3932 / गो० दिनांक 23.12.2012
महाशय,

A/12/12

P/W

उपर्युक्त विषय एवं प्रासांगिक पत्र के संबंध में कहना कि प्रखंड विकास पदाधिकारी, काशीचक द्वारा दिनांक 06.11.12 को रोकड़पुस्त के प्रभार का आदान-प्रदान कर लिया गया है। श्री राजेन्द्र प्रसाद, प्रधान लिपिक, जिला स्थापना शाखा, नवादा द्वारा काशीचक प्रखंड के नजारत का प्रभार श्री मिथलेश कुमार, लिपिक को सौंप दिया गया है। परन्तु उनके द्वारा रोकड़पुस्त में अंकित अभिश्रव एवं दो बैंक पासबुक का प्रभार अभी तक नहीं दिया गया है (छाया प्रति संलग्न)।

20

20/12

दिनांक 24.12.2012 काशीचक प्रखंड के रोकड़ पुस्त के अवलोकन से यह ज्ञात हुआ है कि रोकड़पुस्त के संधारण में गंभीर अनियमितता बरती गई है।

दिनांक 18.10.2012 को रोकड़पुस्त में अंतिम अवशेष मो० 61,16,656.51 (एकसठ लाख सोलह हजार छः सौ छप्पन रूपया एकावन पैसा) अंकित किया है। दिनांक 19.10.2012 से दिनांक 05.11.2012 तक कोई लेन-देन नहीं करने का प्रमाण पत्र रोकड़पुस्त में अंकित है। परन्तु दिनांक 06.11.2012 को तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं तत्कालीन प्रखंड नाजिर द्वारा अपने प्रतिस्थानी को मात्र मो० 58,20,357.99 (अनठावन लाख बीस हजार तीन सौ सनतावन रूपया निनानवे पैसा) का प्रभार सौंपा गया है। इस प्रकार मो० 2,96,298.52 (दो लाख छियांनवे हजार दो सौ अनठानवे रूपया वावन पैसा) का अन्तर पाया गया है।

20/12

20/12

उल्लेखनीय है कि काशीचक प्रखंड के रोकड़पुस्त के संधारण में पूर्व में बरती गयी गंभीर अनियमितता की शिकायत की जाँच जिला लेखा पदाधिकारी, नवादा द्वारा की गयी है। जाँच प्रतिवेदन के आधार पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई प्रस्तावित है। परन्तु उराके बाद रोकड़पुस्त के संधारण में अनियमितता बरतने का मामला पुनः प्रकाश में आया है।

उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आधार पर काशीचक प्रखंड की लेखा की गहन जाँच कराया जाना आवश्यक है।

अतः अनुरोध है कि इस मामले में तत्कालिन प्रखंड विकास पदाधिकारी, काशीचक एवं तत्कालिन प्रखंड नाजिर से कारण पृच्छा की मांग की जा सकती है।

अनुलग्नक : यथोक्त।

विश्वासभाजन

15/24/12
उप विकास आयुक्त,
नवादा।

18962
267212

Vikash

